

कक्षा की दिनचर्याएँ



भारत में विद्यालय आधारित
समर्थन के माध्यम से शिक्षक
शिक्षा
www.TESS-India.edu.in



<http://creativecommons.org/licenses/>



संदेश



शिक्षकों को बाल केंद्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है। ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक-प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है।

शुभकामनाओं सहित।

(डॉ० मुरली मनोहर सिंह)

निदेशक

एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. कासिम खुशीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेजी
श्री अरशद रजा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेजी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिजवान रिजवी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र-छात्रा-केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्र-छात्राओं के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को सीखने की योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये भारतीय तथा अंतर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये हैं और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध हैं (<http://www.tess-india.edu.in>)। मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: । इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, <http://www.tess-india.edu.in/> से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई कक्षा में अंग्रेजी के उपयोग के लिए आपकी दिनचर्या बढ़ाने के बारे में है। यह भाषा की मुख्य कुशलताओं, सुनने और बोलने पर केंद्रित है।

आप और आपके छात्र-छात्रा विद्यालयी दिन के प्रारंभ और अंत में तथा औपचारिक पाठों के बीच जो कुछ भी बोलते हैं, उन सभी बातों के बारे में विचार करें। ये सभी पल भाषा सिखाने और सीखने के नियमित अवसर हैं।

आपके छात्र-छात्राओं के लिए संभवतः आप ही अंग्रेजी के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हैं, विशेष रूप से यदि वे अपने घरों या समुदाय में अंग्रेजी के संपर्क में नहीं आते हैं।

हो सकता है कि आप अपनी अंग्रेजी के बारे में 100% आत्मविश्वास महसूस न करते हों। लेकिन अंग्रेजी कई तरह के उच्चारणों, और दक्षता के अलग अलग स्तरों के साथ पूरी दुनिया में स्वीकार्य रूप से बोली जाती है।

प्रोत्साहन और अभ्यास के द्वारा हर कोई अंग्रेजी सीख सकता है। इस इकाई की गतिविधियाँ, केस स्टडी और संसाधन आपकी कक्षा में अंग्रेजी का उपयोग करने के लिए दिनचर्या के विकास को शुरू करने में आपकी मदद करने के लिए तैयार किए गए हैं।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अंग्रेजी बोलने और सुनने के लिए कक्षा की दिनचर्या बढ़ाना।
- अपने छात्र-छात्राओं के साथ अंग्रेजी भाषा के खेलों का उपयोग करना।
- अपने स्तर पर अंग्रेजी का अभ्यास करना।

1 शिक्षक चर्चा का उपयोग करना

आप 'शिक्षक चर्चा' के बारे में सोचकर शुरूआत करते हैं और यह सोचते हैं कि आप अंग्रेजी के लिए इसका उपयोग कैसे कर सकते हैं।

गतिविधि 1: 'शिक्षक चर्चा': एक योजना गतिविधि

क्या आपने छोटे बच्चों को 'टीचर टीचर' खेलते हुए देखा है? शायद बचपन में आपने भी यह खेल खेला होगा। छात्र-छात्रा शिक्षक की नकल करना पसंद करते हैं और 'शिक्षक चर्चा', या 'कक्षा प्रबंधन' की भाषा, को सीख सकते हैं, हालांकि कोई उन्हें वास्तव में ये शब्द और वाक्यांश 'सिखाता' नहीं है। इसलिए आप कक्षा में जो भी कहते और करते हैं, आपके छात्र-छात्रा भी वही कहने और करने लगते हैं। आप इस ज्ञान का उपयोग भाषा का अभ्यास करने के लिए, तुरंत और विभिन्नता के साथ कर सकते हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों को अंग्रेजी में पढ़ें। उन्हें ऊँची आवाज़ में, खुद या एक सहकर्मी के साथ पढ़ें।

आप कक्षा में अपने छात्र-छात्राओं के साथ पहले से जिनका उपयोग करते हैं, उन पर निशान लगाएँ।

- 'गुड मॉर्निंग/गुड अफ्टरनून/गुड इवनिंग, छात्र-छात्रा/क्लास। (Good morning/good afternoon/good evening, students/class.)'
- 'कृपया बैठ जाएँ/हाँ, अब आप बैठ सकते हैं।' (Please sit down/Yes, you may sit down now.)'
- 'कृपया खड़े हो जाएँ। (Please stand up.) धन्यवाद (Thank you!).'
- 'कृपया बात करते समय खड़े रहें। (Please stand up when you speak.)'
- 'यह शब्द किसे मालूम है? (Who knows this word?)'
- 'कृपया अपने हाथ ऊपर करें! (Put your hands up, please!) जिन्हें उत्तर मालूम है/जिन्होंने अपना काम पूरा

कर लिया है! (Those who know the answer!/Those who have finished their work!) हाथ नीचे! (Hands down!)

- हाँ, कृपया अंदर आइए। (Yes, come in, please.)
- 'कृपया प्रतीक्षा करें। (Please wait.)'
- 'दूसरों को बोलने दीजिए! (Let the others speak!)
- 'कृपया एक बार में कोई एक ही बोले। (One at a time, please.)'
- 'कृपया बोर्ड पर आकर तारीख लिखें। (Please come to the board and write the date.)'
- 'धन्यवाद। (Thank you.) कृपया अब अपनी जगह पर जाएँ। (Please go back to your place now.)'
- 'अपनी किताबें/कॉपियाँ खोलें। (Open your books/notebooks.) अपनी किताबें बंद करें। (Close your books.)'
- 'आप बाहर जा सकते हैं। (You may go out.)'
- 'कल मिलेंगे। (See you tomorrow.)'

क्या ऐसे और भी अंग्रेजी शब्द या वाक्य हैं, जिनका आप पहले से ही उपयोग करते हैं, लेकिन वे इस सूची में नहीं हैं? अब इस सूची से उन वाक्यों को चुनें, जिनका आपने पहले उपयोग नहीं किया है। इन वाक्यों को ऊँची आवाज़ में बोलते हुए, घर पर या किसी साथी शिक्षक के साथ इनका अभ्यास करें। देखें कि क्या आप वाक्यों को अलग तरीके से या बेहतर तरीके से बोल सकते हैं।

हावभाव के द्वारा छात्र-छात्राओं को आपकी बात समझने में मदद मिलेगी। आप 'Open your books', और 'Come in' जैसे वाक्यों का अभिनय कैसे करेंगे? जब आप ये वाक्य बोलते हैं, तो इन हावभावों का अभ्यास करें।

जब आप किसी वाक्यांश के बारे में आत्मविश्वास महसूस करने लगें, तो अपने छात्र-छात्राओं के साथ इसका उपयोग करके देखें। आप अपने छात्र-छात्राओं के साथ जिन अंग्रेजी वाक्यांशों का उपयोग करते हैं, हर सप्ताह उनकी संख्या क्रमशः बढ़ाते जाएँ। शुरुआत में यदि वे आपकी बातों के लिए प्रतिक्रिया (response) न भी दें, तो भी आप कोशिश जारी रखें – हावभावों का उपयोग करने से छात्र-छात्रा धीरे-धीरे इन अंग्रेजी वाक्यांशों को सीख जाएँगे।



अंग्रेजी भाषा के उपयोग के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part-3 के पाठ संख्या 4 (पेज 23), 15 (पेज 75) तथा Blossom part -4 के पाठ संख्या 1(पेज 5) एवं पाठ संख्या 4 (पेज 26 तथा 27) का नियमित अभ्यास करें/करायें।

केस स्टडी 1 में देखें कि किस तरह एक शिक्षक अपनी स्वयं की अंग्रेजी सुधारने की कोशिश करते हैं, ताकि वे अपने छात्र-छात्राओं के साथ अभ्यास कर सकें।

केस स्टडी 1: श्री मदन कुमार अंग्रेजी का अभ्यास करते हैं

श्री मदन कुमार कक्षा तीन के छात्र-छात्राओं को सभी विषय पढ़ाते हैं। वे सभी पहली पीढ़ी के छात्र-छात्रा हैं। जिस समय श्री मदन ने शिक्षक के रूप में अपनी नौकरी की शुरुआत की थी, तब अंग्रेजी प्राथमिक स्तर पर नहीं पढ़ाई जाती थी। लेकिन कुछ वर्षों बाद राज्य सरकार ने कक्षा एक से ही अंग्रेजी पढ़ाने का निर्णय लिया। राज्य के सभी प्राथमिक शिक्षकों को अंग्रेजी भाषा पढ़ाने की कार्यपद्धति के बारे में पाँच दिनों का प्रशिक्षण दिया गया था।

प्रशिक्षण के बाद भी मैं असुरक्षित महसूस करता था। अंग्रेजी का मेरा खुद का ज्ञान बहुत सीमित था और मैं अंग्रेजी बोलने में बहुत असहज महसूस करता था क्योंकि मुझे चिंता रहती थी कि मैं गलतियाँ कर रहा हूँ। मैंने हर दिन अंग्रेजी भाषा के रेडियो कार्यक्रम सुनना तय किया। मैंने अपनी पत्नी से यह भी कहा कि वह हर शाम मुझसे अंग्रेजी में

बात किया करे क्योंकि उसकी अंग्रेज़ी मेरी अंग्रेज़ी से बेहतर थी।

मैंने अंग्रेज़ी के सरल वाक्यों जैसे 'How are you?', 'My name is Madan Kumar', 'I am a teacher' और 'I live in Bhagalpur' को बोलने का अभ्यास करने के लिए इन वाक्यों को अपने मोबाइल फोन पर भी रिकॉर्ड कर लिया। मैं उन्हें फिर से चलाकर सुनता था, और उनमें अधिक सुधार करने के लिए खुद की आवाज़ में फिर से रिकॉर्ड करता था। मैं यह स्वीकार करता हूँ कि कभी कभी मुझे इस तरह 'अभ्यास' करना कुछ मूर्खतापूर्ण लगता था, लेकिन मैंने पाया कि इससे सचमुच मेरी अंग्रेज़ी में सुधार हुआ और मैं अधिक आत्मविश्वासी महसूस करने लगा।

मैंने स्कूल के एक अन्य शिक्षक के साथ मिलकर हर दिन कक्षा में उपयोग होने वाले निर्देशों की एक सूची बनाई, उदाहरण के लिए: 'Sit down now, please', 'Everybody up', 'Can you come to the board?', 'I want you to make two lines' और 'Can you make a big circle?' मैंने घर पर इन निर्देशों को ऊँची आवाज़ में और साफ़ लहजे में बोलकर अभ्यास किया। मैं कक्षा में अंग्रेज़ी में निर्देश देने लगा और ऐसा करते समय मैं धीमी गति से बोलता था तथा हावभावों और क्रियाओं का उपयोग करता था।

छात्र-छात्राओं ने इस पर अच्छी प्रतिक्रिया (response) दिया। मैं कोशिश करता हूँ कि मैं अपनी या छात्र-छात्राओं से होने वाली गलतियों की चिंता न करूँ – मैं नहीं चाहता कि वे घबराकर इसमें भाग लेना ही छोड़ दें। मैं जानता हूँ कि जब भी हम कुछ नया सीखते हैं, तो गलतियाँ होती ही हैं। मैं इस बात को सुनिश्चित करने की कोशिश करता हूँ कि गलती करने पर सज़ा के बजाय उसे स्वीकार करके चला लेने से मेरे छात्र-छात्रा पुरस्कृत महसूस करते हैं।



ज़रा सोचिए

- श्री मदन कुमार के लिए अंग्रेज़ी के स्रोत क्या थे?
- अपनी अंग्रेज़ी सुधारने के लिए श्री मदन कुमार और क्या कर सकते थे?
- अंग्रेज़ी का अभ्यास करने के लिए आप क्या करते हैं?
- आप किसके साथ अभ्यास कर सकते हैं?
- आप नियमित रूप से अंग्रेज़ी के किन स्रोतों को सुन सकते हैं?



निर्देशों (Directions/Instructions) को संकलित कर अभ्यास करने/कराने के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part-1 की पाठ संख्या 24 (पेज 5) तथा Blossom part-2 की पाठ संख्या 4 (पेज 18) देखें।

2 अंग्रेज़ी का अधिक उपयोग करने के लिए कक्षा की दिनचर्या स्थापित करना

गतिविधि 2: अपनी अंग्रेज़ी का उपयोग बढ़ाएँ

उन गतिविधियों के बारे में सोचें, जिन्हें आप नियमित रूप से अपनी कक्षा में कर सकते हैं और आप इन गतिविधियों से पहले, इनके दौरान और इनके बाद छात्र-छात्राओं से क्या कहते हैं। आप हिन्दी में या स्थानीय भाषा में आमतौर पर जो भी कहते हैं, उस पर पुनः कार्य करें।

सारणी 1 की एक प्रति बनाएँ और आप जो भी कहेंगे, उसे दाईं तरफ लिख लें। हमने आपके लिए एक उदाहरण प्रदान किया है।

सारणी 1: अपनी अंग्रेज़ी का उपयोग बढ़ाना।

एक खेल खेलने की तैयारी करना	'Are you ready to start?'
एक पाठ शुरू करना	

एक पुस्तक का उपयोग करने के लिए निर्देश	
अनुशासन बनाए रखना	
एक पाठ समाप्त करना	
छात्र-छात्राओं को जाने के लिए व्यवस्थित करना	

इन वाक्यों को अंग्रेज़ी में ऊंची आवाज़ में, धीमी गति से और फिर ज़रा तेज़ गति से बोलने का अभ्यास करें। प्रत्येक निर्देश या टिप्पणी के लिए उपयुक्त हावभाव या क्रिया तय करें। किसी मित्र, रिश्तेदार या सहकर्मी के साथ अभ्यास करें।

जब आप आत्मविश्वास महसूस करें, तो अपने नए अंग्रेज़ी वाक्यों को कक्षा में बोलकर देखें। हावभाव का उपयोग करें और छात्र-छात्राओं को अंग्रेज़ी में या हिन्दी में या स्थानीय भाषा में प्रतिक्रिया (response) देने के लिए प्रोत्साहित करें।

छात्र-छात्राओं का अभिवादन अंग्रेज़ी में करने की आदत डालें और आप प्रतिदिन अपनी कक्षा में जो काम करते हैं उनके लिए निर्देश अंग्रेज़ी में दें।

छात्र-छात्राओं को अनुरोधों के लिए 'thank you', 'please' और अन्य विनम्र शब्द बोलना सिखाएँ और इसके लिए उनसे बात करते समय आप स्वयं इन शब्दों का उपयोग करें। साथ ही, उन्हें आपको और दूसरों को 'good morning', 'sorry' और 'excuse me' कहना; तथा प्रवेश करने, बाहर जाने या बोलने के लिए उपयुक्त अभिव्यक्तियों का उपयोग करना सिखाएं – उदाहरण के लिए, 'May I ...?' और 'Can I ...?' कक्षा को साफ़-सुथरा रखने के बारे में बात करने, या उपस्थित छात्र-छात्राओं की संख्या गिनने के लिए अंग्रेज़ी का उपयोग करें। जब आप नियमित रूप से ये काम करते हैं, तो अंग्रेज़ी में आपका स्वयं का आत्मविश्वास भी सुधरेगा।



जब आप छात्र-छात्राओं के अंग्रेज़ी सुनने और बोलने का मूल्यांकन करते हैं, तो शायद आप देखेंगे कि वे प्रत्येक शब्द को नहीं समझ पाते, लेकिन फिर भी वे सामान्य अर्थ समझ लेते हैं। उदाहरण के लिए, जब आप स्कूल का समय पूरा हो जाने पर हर दिन 'See you tomorrow' कहते हैं, तो छात्र-छात्रा इस वाक्यांश को अपना लेंगे। आप इसे जिस समय बोलते हैं, उसके कारण वे समझ सकते हैं कि यह 'Goodbye' कहने का एक तरीका है, लेकिन वे हर शब्द का अलग-अलग अर्थ नहीं जानते होंगे।

आप यह दर्ज कर सकते हैं कि कौन-से छात्र-छात्रा बार-बार या नियमित रूप से सुने हुए शब्दों और वाक्यों को याद रखते हैं, और कौन-से छात्र-छात्रा नई परिस्थितियों में अपनी शिक्षा का उपयोग करने लगते हैं। जो छात्र-छात्रा 'See you tomorrow' को याद कर पाते हैं, वे शब्द 'tomorrow' सीख लेंगे और नए तरीकों से इसका उपयोग शुरू कर

देंगे – उदाहरण के लिए, 'Tomorrow I go to the city'। या वे 'See you' को 'Goodbye' कहने के एक तरीके के रूप में बोल सकते हैं।

आप इन अनौपचारिक, अनियोजित अवसरों का आकलन अचानक भाषा के अभ्यास के लिए कर सकते हैं। छात्र-छात्राओं के अंग्रेजी बोलने के प्रयास चाहे कितने ही छोटे क्यों न हों, लेकिन ऐसे सभी प्रयासों को प्रोत्साहित करके उनकी मदद करें। जब वे बोलते हैं, तो ध्यान से सुनने की कोशिश करें और छोटी त्रुटियों को सुधारने के लिए उन्हें बीच में न टोकें। मूल्यांकन के लिए, एक बड़ी कॉपी रखें, जिसमें प्रत्येक छात्र-छात्रा के लिए एक या दो पन्ने हों। इसका उपयोग उपलब्धि के रिकॉर्ड रखने के लिए प्रमाण के रूप में करें। यह दर्ज करें कि कौन-से छात्र-छात्रा आसानी से और आत्मविश्वास से बोलते हैं और कौन-से छात्र-छात्रा अभी भी बोलने में बहुत शर्माते हैं। शर्मीले छात्र-छात्राओं को अंग्रेजी में कुछ कहने के अवसर दें और प्रोत्साहित करें तथा ऐसा करने के लिए उनकी प्रशंसा करें।

यदि आप ज्यादा छात्र-छात्राओं वाली कक्षा को पढ़ाते हैं, तो आप उनकी प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए जाँच सूचियों की एक सरल सारणी तैयार कर सकते हैं।

सारणी 2: छात्र-छात्रा प्रगति जाँच सूची।

छात्र-छात्राओं के नाम	कभी-कभी शब्दों का उपयोग करता/करती है	कभी-कभी वाक्यों का उपयोग करता/करती है	अक्सर शब्दों का उपयोग करता/करती है	अक्सर वाक्यों का उपयोग करता/करती है	बोलने में बहुत अधिक शर्माता/ती हैं

बोलने और सुनने के लिए कक्षा की दिनचर्या के महत्त्व के बारे में अधिक जानने के लिए संसाधन 1, 'सीखने के लिए बातचीत' देखें।

गतिविधि 3: कक्षा में खुद को रिकॉर्ड करें

अपना मोबाइल फोन अपनी कक्षा में ले जाएँ और किसी पाठ के पहले दस मिनट की बातें रिकॉर्ड करें, जिसमें आप आम तौर पर अंग्रेज़ी का उपयोग करते हैं। (यह भाषा का ही पाठ होना आवश्यक नहीं है।)

आपने जो रिकॉर्ड किया है, उसे दोबारा दो या तीन बार सुनें और इन प्रश्नों के उत्तर दें:

- आपने कितनी अंग्रेज़ी बोली थी? आपने किन शब्दों या वाक्यांशों का उपयोग किया था?
- क्या आपको यह देखकर आश्चर्य हुआ कि आपने कितनी अंग्रेज़ी बोली थी? यह आपके अनुमान से अधिक थी या कम?
- क्या छात्र-छात्राओं ने आपको प्रतिक्रिया (response) देते समय अंग्रेज़ी का उपयोग किया था? आपको कैसे पता चला कि वे आपकी बात समझ गए हैं?
- क्या दस मिनटों के दौरान आपने हिन्दी या स्थानीय भाषा का उपयोग भी किया था? आपने ऐसा कब किया, और क्यों किया?
- वह अनुभाग सुनें, जहाँ आपने हिन्दी या स्थानीय भाषा का उपयोग किया था। क्या अब आप वही बातें कहने के लिए अंग्रेज़ी शब्दों या वाक्यों के बारे में सोच सकते हैं? इन्हें लिख लें – यदि आप शब्दों के बारे में सुनिश्चित न हों, तो एक शब्दकोष का उपयोग करें, या किसी अन्य शिक्षक/शिक्षिका अथवा मित्र से पूछें। आपकी चुनौती अपनी कक्षा की दिनचर्या में इन अंग्रेज़ी शब्दों का उपयोग शुरू करना है।

3 भाषा खेल

कक्षा में दिनचर्या प्रस्तुत करने का एक तरीका भाषा के खेलों का उपयोग करना है। केस स्टडी 2 में, एक नई शिक्षिका अपनी और अपने छात्र-छात्राओं की अंग्रेज़ी बोलने और सुनने की कुशलता को बढ़ाने के एक तरीके के रूप में भाषा खेल प्रस्तुत करती हैं।

केस स्टडी 2: सुश्री सुशीला अंग्रेज़ी में खेल प्रस्तुत करती हैं

सुश्री सुशीला एक नई शिक्षिका थीं, जो अंग्रेज़ी के प्रति बहुत आत्मविश्वासी नहीं थीं। वे अपना कक्षा प्रबंधन कौशल भी सुधारना चाहती थीं।

मैंने कक्षा में प्रतिदिन अंग्रेज़ी सुनने की एक गतिविधि करना तय किया, लेकिन यह मजेदार होनी चाहिए थी। मैंने खेल 'Do What I Say' [संसाधन 2 देखें] का परिचय कराया। इसमें सरल आदेशों का उपयोग किया जाता है और यह आवश्यक होता है कि छात्र-छात्रा मेरी बातों को ध्यान से सुनें और उन पर प्रतिक्रिया (response) दें। शुरू में मैंने शब्दों के साथ हावभाव का उपयोग किया। जब छात्र-छात्रा आदेशों से परिचित हो गए, तो मैंने धीरे-धीरे केवल शब्द कहना शुरू कर दिया। कक्षा को इस पर अपना ध्यान केंद्रित करने में और मुझे साफ़ लहजे में बोलने में समय लगा। इस खेल के साथ मैंने शिक्षक की अपनी भूमिका (निर्देश देना) पुनः स्थापित कर ली और छात्र-छात्राओं का ध्यान मेरे निर्देशों का पालन करने और उन्हें ध्यान से सुनने पर रहता था। उन्होंने सरल क्रियाओं और शरीर के अंगों के नाम सीख लिए और उन्हें इस खेल में बहुत मज़ा आया। मैं भी यह महसूस कर सकती थी कि निर्देशों का अभ्यास करते करते अंग्रेज़ी में मेरा खुद का आत्मविश्वास भी बढ़ रहा था।

मेरी कक्षा ज्यादा छात्र-छात्राओं वाली कक्षा थी, इसलिए मैंने सुनिश्चित किया कि सभी छात्र-छात्रा इस खेल को समझ जाएँ, मैंने आठ से दस छात्र-छात्राओं के छोटे-छोटे समूह बनाए। प्रत्येक समूह में एक छात्र-छात्रा 'शिक्षक' की

भूमिका निभाता था और शेष समूह को निर्देश देता था। उझे यह देखकर अचंभा हुआ कि शेखर, जो कि आमतौर पर चुपचाप रहता है, इस खेल में बहुत उत्साह से भाग ले रहा था। मुझे अहसास हुआ कि हमने उसे 'धीमी गति से सीखने वाला' मान लिया था। शायद उसे यह अहसास हुआ होगा कि अंग्रेज़ी के मामले में हम सभी नौसिखिए ही थे – और इससे उसके अभ्यास करने का आत्मविश्वास मिला होगा।

एक दिन विद्यालय के बाद मैं गाँव से गुज़र रही थी और मैंने देखा कि मेरे छात्र-छात्राओं का एक समूह अंग्रेज़ी में 'Do What I Say' खेल रहा था। वे अपने छोटे भाई-बहनों को यह खेल सिखा रहे थे। लेकिन मुझे चिंता हुई कि उनका उच्चारण और शब्दावली सटीक नहीं थी।



ज़रा सोचिए

- सुश्री सुशीला ने इस खेल का उपयोग भाषा की शिक्षा देने के लिए किया। इस खेल के अन्य लाभ कौन-से थे?
- क्या आपकी कक्षा में भी शेखर जैसे छात्र-छात्रा हैं? क्या आपको लगता है कि खेलों से उन्हें सहभागी होने के अवसर मिलेंगे?
- इस बात का क्या महत्व है कि उनके छात्र-छात्रा स्कूल के बाद भी वह खेल खेल रहे थे और दूसरे बच्चों को सिखा रहे थे?
- क्या आप अपने छात्र-छात्राओं के साथ ऐसे कोई खेल खेलते हैं, जिनमें अंग्रेज़ी शामिल है? यदि हाँ, तो क्या यह नियमित दिनचर्या है या ऐसा आप कभी-कभार ही करते हैं?
- सुश्री सुशीला ने अपनी चिंताओं के बारे में क्या बताया?

छात्र-छात्रा शब्दों और क्रियाओं वाले खेल खेलना पसंद करते हैं। अंग्रेज़ी भाषा सिखाने के लिए आप कक्षा में सरल खेलों का उपयोग कर सकते हैं। जब आप ऐसा करेंगे, तो आपकी अंग्रेज़ी की कुशलता और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।



भाषा-खेल के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part-3 की पाठ संख्या 4 (पेज 24) एवं पाठ संख्या 11 (पेज 60) तथा Blossom part-6 की पाठ संख्या 7 (पेज 35) तथा फलक की कक्षा 1 की पुस्तक देखें।

गतिविधि 4: अंग्रेजी भाषा के खेल

संसाधन 2 और संसाधन 3 के खेलों और गतिविधियों को अच्छी तरह पढ़ें। आप यह पठन किसी सहकर्मी के साथ भी साझा कर सकते हैं और विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं।

इन्हें पढ़ लेने के बाद, वह विकल्प चुनें, जिसे आप कक्षा में आजमाकर देखना चाहेंगे। किसी साथी शिक्षक के साथ या घर में किसी के साथ इन शब्दों और वाक्यांशों का अभ्यास करें। इस बारे में सोचें कि आप इस खेल के लिए कक्षा को किस प्रकार व्यवस्थित करेंगे। क्या आप इसे भीतर खेलेंगे या बाहर? क्या आप इस खेल में घर की भाषाएँ शामिल करेंगे?

आपने संसाधन 2 या संसाधन 3 से जो खेल चुना है, उसे अपने छात्र-छात्राओं के साथ आजमाकर देखें। जब वे एक खेल के साथ परिचित हो जाते हैं, तब आप अंग्रेजी के अभ्यास के लिए एक और नया खेल प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि छात्र-छात्राओं को कोई खेल पसंद आता है, तो उन्हें कक्षा के बाहर भी वह खेलने के लिए प्रेरित करें।

सप्ताह का एक दिन भाषा के खेल के लिए रखें, या महीने में दो बार कोई खेल खेलें।

मूल्यांकन के लिए, दर्ज करें कि कौन-से छात्र-छात्रा ध्यान पूर्वक सुनते हैं, और कौन अच्छी तरह समझकर प्रतिक्रिया (response) दे सकते हैं, भले ही वे ऐसा अपने सिर को हिलाकर करते हों। ऐसे छात्र-छात्राओं के नाम दर्ज करें, जो अच्छे अनुमान लगाते हैं और जो अंग्रेजी में अपने स्वयं के प्रश्न या कथन बनाने की कोशिश करते हैं।



वीडियो: सीखने के लिए बातचीत

4 सारांश

इस इकाई में आपका परिचय सक्रिय और सहभागितापूर्ण भाषा शिक्षा से करवाया गया है, आपके लिए भी और उतना ही आपके छात्र-छात्राओं के लिए भी। इसमें बोलने और सुनने के मुख्य भाषा कौशल पर ध्यान केंद्रित किया गया है, और इन्हें कक्षा की दिनचर्या में शामिल किया गया है।

अंग्रेजी को अच्छी तरह सीखने के लिए आपके छात्र-छात्राओं को अक्सर बोलने और सुनने का अभ्यास करना चाहिए — केवल भाषा के पाठ का नहीं। स्कूल में दिन भर अलग अलग समय पर अंग्रेजी का अपना उपयोग बढ़ाने की कोशिश करें। आपकी कक्षा की दिनचर्या ऐसा करने के लिए नियमित अवसर प्रस्तुत करती है।

प्रारंभिक अंग्रेजी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाइयाँ हैं:

- पाठ्यपुस्तक का रचनात्मक ढंग से उपयोग करना
- गीत, कविताएँ और शब्द खेल
- रचनात्मक कलाओं में अंग्रेजी सीखना
- अंग्रेजी और विषय सामग्री एकीकरण
- अंग्रेजी के लिए सामुदायिक संसाधन।

संसाधन

संसाधन 1: सीखने के लिए बातचीत

सीखने के लिए बातचीत क्यों जरूरी है

बातचीत मानव विकास का हिस्सा है, जो सोचने-विचारने, सीखने और विश्व का बोध प्राप्त करने में हमारी मदद करती है। लोग भाषा का इस्तेमाल तार्किक क्षमता, ज्ञान और बोध को विकसित करने के लिए औज़ार के रूप में करते हैं। अतः, छात्र-छात्राओं को उनके शिक्षण अनुभवों के भाग के रूप में बात करने के लिए प्रोत्साहित करने का अर्थ होगा उनकी शैक्षणिक प्रगति का बढ़ना। सीखे गए विचारों के बारे में बात करने का अर्थ होता है:

- उन विचारों को परखा गया है
- तार्किक क्षमता विकसित और सुव्यवस्थित है
- जिससे छात्र-छात्रा अधिक सीखते हैं।

किसी कक्षा में छात्र-छात्रा वार्तालाप के लिए रटा-रटाया दोहराने से लेकर उच्च श्रेणी की चर्चा तक विभिन्न तरीके होते हैं।

पारंपरिक तौर पर, शिक्षक की बातचीत का दबदबा होता था और वह छात्र-छात्राओं की बातचीत या छात्र-छात्राओं के ज्ञान के मुकाबले अधिक मूल्यवान समझी जाती थी। तथापि, पढ़ाई के लिए बातचीत में सीखने की योजना शामिल होती है ताकि छात्र-छात्रा इस ढंग से अधिक बात करें और अधिक सीखें कि शिक्षक छात्र-छात्राओं के पहले के अनुभव के साथ संबंध कायम करें। यह किसी शिक्षक और उसके छात्र-छात्राओं के बीच प्रश्न और उत्तर सत्र से कहीं अधिक होता है क्योंकि इसमें छात्र-छात्रा की अपनी भाषा, विचारों और रुचियों को ज्यादा समय दिया जाता है। हम में से अधिकांश कठिन मुद्दों के बारे में या किसी बात का पता करने के लिए किसी से बात करना चाहते हैं, और शिक्षक/शिक्षिका बेहद सुनियोजित गतिविधियों से इस सहज-प्रवृत्ति को बढ़ा सकते हैं।

कक्षा में शिक्षण गतिविधियों के लिए बातचीत की योजना बनाना

शिक्षण की गतिविधियों के लिए बातचीत की योजना बनाना महज साक्षरता और शब्दावली के लिए नहीं है, यह गणित एवं विज्ञान के काम तथा अन्य विषयों के नियोजन का हिस्सा भी है। इसे समूची कक्षा में, जोड़ी कार्य या सामूहिक कार्य में, आउटडोर गतिविधियों में, भूमिका पर आधारित गतिविधियों में, लेखन, वाचन, प्रायोगिक छानबीन और रचनात्मक कार्य में योजनाबद्ध किया जा सकता है।

यहाँ तक कि साक्षरता और गणना के सीमित कौशलों वाले नन्हें छात्र-छात्रा भी उच्चतर श्रेणी के चिंतन कौशलों का प्रदर्शन कर सकते हैं, बशर्ते कि उन्हें दिया जाने वाला कार्य उनके पहले के अनुभव पर आधारित और आनंदप्रद हों। उदाहरण के लिए, छात्र-छात्रा तस्वीरों, आरेखणों या वास्तविक वस्तुओं से किसी कहानी, पशु या आकृति के बारे में पूर्वानुमान लगा सकते हैं। छात्र-छात्रा भूमिका निभाते समय कठपुतली या पात्र की समस्याओं के बारे में सुझावों और संभावित समाधानों को सूचीबद्ध कर सकते हैं।

जो कुछ आप छात्र-छात्राओं को सिखाना चाहते हैं, उसी के इर्दगिर्द पाठ की योजना बनायें और इस बारे में सोचें, और साथ ही इस बारे में भी कि आप किस प्रकार की बातचीत को छात्र-छात्राओं में विकसित होते देखना चाहते हैं। कुछ प्रकार की बातचीत अन्वेषी होती है, उदाहरण के लिए: 'इसके बाद क्या होगा?', 'क्या हमने इसे पहले देखा है?', 'यह क्या हो सकता है?' या 'आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि वह यह है?' कुछ अन्य प्रकार की वार्ताएं ज्यादा विश्लेषणात्मक होती हैं, उदाहरण के लिए विचारों, साक्ष्य या सुझावों का आकलन करना।

इसे रोचक, मजेदार और सभी छात्र-छात्राओं के लिए संवाद में भाग लेना संभव बनाने की कोशिश करें। छात्र-छात्राओं को उपहास का पात्र बनने या गलत होने के भय के बिना दृष्टिकोणों को व्यक्त करने और विचारों का पता लगाने में सहज होने और सुरक्षित महसूस करने की जरूरत होती है।

छात्र-छात्राओं की वार्ता को आगे बढ़ाएं

शिक्षण के लिए वार्ता शिक्षक/शिक्षिकाओं को निम्न अवसर प्रदान करती है:

- छात्र-छात्रा जो कहते हैं उसे सुनना
- छात्र-छात्राओं के विचारों की प्रशंसा करना और उस पर आगे काम करना
- इसे आगे ले जाने के लिए छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करना।

सभी उत्तरों को लिखना या उनका औपचारिक आकलन नहीं करना होता है, क्योंकि वार्ता के जरिये विचारों को विकसित करना शिक्षण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। आपको उनके शिक्षण को प्रासंगिक बनाने के लिए उनके अनुभवों और विचारों का यथासंभव प्रयोग करना चाहिए। सबसे अच्छी छात्र-छात्रा वार्ता खोजपूर्ण होती है, जिसका अर्थ होता है कि छात्र-छात्रा एक दूसरे के विचारों की जांच करते हैं और चुनौती पेश करते हैं ताकि वे अपने प्रत्युत्तरों को लेकर विश्वस्त हो सकें। एक साथ बातचीत करने वाले समूहों को किसी के भी द्वारा दिए गए उत्तर को स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। आप समूची कक्षा की सेटिंग में 'क्यों?', 'आपने उसका निर्णय क्यों किया?' या 'क्या आपको उस हल में कोई समस्या नजर आती है?' जैसे जांच वाले प्रश्नों के अपने प्रयोग के माध्यम से चुनौतीपूर्ण विचार को तैयार कर सकते हैं। आप छात्र-छात्रा समूहों को सुनते हुए कक्षा में घूम सकते हैं और ऐसे प्रश्न पूछकर उनकी सोच को बढ़ा सकते हैं।

अगर छात्र-छात्राओं की वार्ता, विचारों और अनुभवों की कद्र और सराहना की जाती है तो वे प्रोत्साहित होंगे। बातचीत करने के दौरान अपने व्यवहार, सावधानी से सुनने, एक दूसरे से प्रश्न पूछने, और बाधा न डालना सीखने के लिए अपने छात्र-छात्राओं की प्रशंसा करें। कक्षा में कमजोर बच्चों के बारे में सावधान रहें और उन्हें भी शामिल किया जाना सुनिश्चित करने के तरीकों पर विचार करें। कामकाज के ऐसे तरीकों को स्थापित करने में थोड़ा समय लग सकता है, जो सभी छात्र-छात्राओं को पूरी तरह से भाग लेने की सुविधा प्रदान करते हों।

छात्र-छात्राओं को खुद से प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करें

अपनी कक्षा में ऐसा वातावरण तैयार करें जहां अच्छे चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछे जाते हैं और जहां छात्र-छात्राओं के विचारों को सम्मान दिया जाता है और उनकी प्रशंसा की जाती है। छात्र-छात्रा प्रश्न नहीं पूछेंगे अगर उन्हें उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार को लेकर भय होगा या अगर उन्हें लगेगा कि उनके विचारों का मान नहीं किया जाएगा।

छात्र-छात्राओं को प्रश्न पूछने के लिए आमंत्रित करना उनको जिज्ञासा दर्शाने के लिए प्रोत्साहित करता है, उनसे अपने शिक्षण के बारे में अलग ढंग से विचार करने के लिए कहता है और उनके नजरिए को समझने में आपकी सहायता करता है।

आप कुछ नियमित समूह या जोड़े में कार्य करने, या शायद 'छात्र-छात्राओं के प्रश्न पूछने का समय' जैसी कोई योजना बना सकते हैं ताकि छात्र-छात्रा प्रश्न पूछ सकें या स्पष्टीकरण मांग सकें। आप:

- अपने पाठ के एक भाग को 'अगर आपका प्रश्न है तो हाथ उठाएं' नाम रख सकते हैं।
- किसी छात्र-छात्रा को हॉट-सीट पर बैठा सकते हैं और दूसरे छात्र-छात्राओं को उस छात्र-छात्रा से प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं जैसे कि वे पात्र हों, उदाहरणतः पाइथागोरस या मीराबाई
- जोड़ों में या छोटे समूहों में 'मुझे और अधिक बताएं' खेल खेल सकते हैं
- मूल पूछताछ का अभ्यास करने के लिए छात्र-छात्राओं को कौन/क्या/कहां/कब/क्यों वाले प्रश्न ग्रिड दे सकते हैं
- छात्र-छात्राओं को कुछ डेटा (जैसे कि विश्व डेटा बैंक से उपलब्ध डेटा, उदाहरणतः पूर्णकालिक शिक्षा में बच्चों की प्रतिशतता या भिन्न देशों में स्तनपान की विशेष दरें) दे सकते हैं, और उनसे उन प्रश्नों के बारे में सोचने के लिए कह सकते हैं जो आप इस डेटा के बारे में पूछ सकते हैं
- छात्र-छात्राओं के सप्ताह भर के प्रश्नों को सूचीबद्ध करते हुए प्रश्न दीवार डिज़ाइन कर सकते हैं।

जब छात्र-छात्रा प्रश्न पूछने और उन्हें मिलने वाले प्रश्नों के उत्तर देने के लिए मुक्त होते हैं तो उस समय आपको रुचि और सोच के स्तर को देखकर हैरानी होगी। जब छात्र-छात्रा अधिक स्पष्टता और सटीकता से संवाद करना सीख जाते हैं, तो वे न केवल अपनी मौखिक और लिखित शब्दावलियां बढ़ाते हैं, अपितु उनमें नया ज्ञान और कौशल भी विकसित होता है।

संसाधन 2: अंग्रेजी भाषा के दो खेल

आप अपने छात्र-छात्राओं के साथ अंग्रेजी में सक्रिय रूप से सुनने को प्रोत्साहित कर सकते हैं और आपके द्वारा उपयोग की गई अंग्रेजी के लिए प्रतिक्रिया (response) देना का संकेत कर सकते हैं। आप इस बात का निरीक्षण कर सकते हैं कि आपकी बात को छात्र-छात्रा कितना समझते हैं। छात्र-छात्रा अपने साथियों को देखकर भी सीख सकते हैं। खेलों में, आप घर की भाषा और साथ ही अंग्रेजी का भी उपयोग कर सकते हैं, ताकि सहभागिता बढ़े।

‘Do What I Say’

शिक्षक मौखिक निर्देश देते हैं और छात्र-छात्रा उन्हें सुनकर वे क्रियाएँ करते हैं।

सरल निर्देशों के साथ शुरुआत करें।

जब छात्र-छात्रा प्रगति करते जाएँ, तो खेल को अधिक उन्नत बनाएँ। आप खेल को अलग अलग विषयों के अनुसार ढाल भी सकते हैं।

- ‘Touch your nose.’
- ‘Touch your partner’s back.’
- ‘Hold up five fingers.’
- ‘Point to someone who has long hair.’
- ‘Put your pencil on the floor.’
- ‘Put your pencil under the chair.’
- ‘If you like mangoes, clap your hands.’
- ‘If you don’t like bananas, make a face.’
- ‘If Delhi is capital of India, put up your hands.’
- ‘If plants grow with the help of sunlight, nod your head.’

कुछ छात्र-छात्रा बेशक दूसरों की नकल करेंगे, लेकिन खेल का उद्देश्य यह है कि हर कोई अंग्रेजी को सुन रहा है और प्रतिक्रिया (response) दे रहा है। जैसा कि छात्र-छात्रा यह करते हैं, वे शारीरिक वर्णनों के लिए शब्दावली, स्थितियाँ, पसंद और नापसंद, विशिष्ट विषयों के लिए भाषा, सामान्य ज्ञान के लिए भाषा आदि सीख सकते हैं।

जब आप अपनी कक्षा में इस तरह की गतिविधि का प्रयास करते हैं, तो सुनिश्चित करें कि आप छात्र-छात्राओं और उनके ज्ञान के स्तर के अनुरूप क्रियाओं और परिस्थितियों को चुनें। आप अंग्रेजी से जुड़ी क्रियाओं का प्रदर्शन करके दिखा सकते हैं, विशेष रूप से जब ये नए शब्द हों, या जब छात्र-छात्राओं को कठिनाई हो रही हो। छात्र-छात्राओं को सुनने और प्रतिक्रिया देने के लिए समय दें। उन्हें अंग्रेजी का उच्चारण करने की आवश्यकता नहीं है – उन्हें केवल यह दिखाना है कि वे आपकी बात समझते हैं। आप और आपके छात्र-छात्रा खेल में सहभागिता को बढ़ाने के लिए अंग्रेजी और घर की भाषा को मिला सकते हैं।

‘Guess Who’

कक्षा को दो समूहों में बाँटें। समूह 1 को गुप्त रूप से किसी वस्तु या व्यक्ति के बारे में सोचना है; समूह 2 को प्रश्न पूछकर यह अनुमान लगाना है कि वह कौन व्यक्ति या क्या वस्तु है। समूह 1 केवल ‘yes’ या ‘no’ में उत्तर दे सकता है। एक शिक्षक के रूप में आपको प्रश्न पूछने में समूह 2 की मदद करनी चाहिए। यह खेल इस तरह तैयार करें:

ऐसी छः वस्तुओं और व्यक्तियों के बारे में सोचें, जिन्हें समूह 1 द्वारा गुप्त रूप से चुना जा सकता है – ये छात्र-छात्राओं की परिचित वस्तुएँ हो सकती हैं, जैसे कोई कुर्सी, टेबल, चम्मच, टिफिन बॉक्स, पानी की बोतल या पुस्तक। लोगों के

लिए ये कोई पेशेवर हो सकते हैं, जैसे डाकिया, ड्राइवर, रसोइया, शिक्षक, डॉक्टर, नर्स या पुलिसकर्मी। इसके बाद उन सभी शब्दों के बारे में सोचें, जिनका उपयोग करके इन वस्तुओं और लोगों का वर्णन किया जा सकता है। इसके बाद यह सोचें कि इन शब्दों का उपयोग करके किस तरह प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

समूह 1 को इन छः वस्तुओं या व्यक्तियों में से अपने राज के तौर पर कोई एक चुनने दें। समूह 1 के छात्र-छात्राओं को याद दिलाएँ कि सभी व्यवसायों में स्त्रियाँ और पुरुष दोनों ही हो सकते हैं। यहाँ कुछ उदाहरण हैं:

- लोगों के लिए (डाकिया, ड्राइवर, रसोइया, शिक्षक, डॉक्टर, नर्स या पुलिसकर्मी):
 - 'Is it a man or a woman?'
 - 'Does the person wear a uniform?'
 - 'Is the uniform white?'
 - 'Does the person use chalk/a stethoscope/a thermometer/a bicycle?'
 - 'Does the person work in a hospital/school/kitchen/police station?'
- वस्तुओं के लिए (कुर्सी, टेबल, चम्मच, टिफिन बॉक्स, पानी की बोतल, और एक पुस्तक):
 - आकार के शब्द: 'Is it big? Is it small?'
 - आकृति के शब्द: 'Is it round? Is it square? Is it long?'
 - रंग के शब्द: 'Is it white? Is it black? Is it coloured?'
 - सामग्री के शब्द: 'Is it made of plastic/paper/wood/leather/steel?'
 - उपयोग-के शब्द: 'Is it used for writing/reading/cutting/keeping things?'
 - स्थान के शब्द: 'Is it here in your bag/in this room/in school/in every house?'

कक्षा में खेल खेलने से पहले, यह सबसे महत्वपूर्ण है कि आप खुद अंग्रेजी में इन शब्दों का अभ्यास करने के लिए समय निकालें। यदि संभव हो, तो किसी साथी शिक्षक को सहयोगी बनाकर उनके साथ 'Guess Who' खेलें।

संसाधन 3: अंग्रेजी में बोलने और सुनने को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियाँ

(यह कृष्ण कुमार की पुस्तक '*बच्चे की भाषा और शिक्षक*' से एक परिच्छेद है।)

These are just some of the dozens of activities any teacher can organise in any ordinary classroom. Each time an activity is repeated with some little change, it will be received with even greater enthusiasm by the children than it got last time. So do each activity any number of times, adding something new each time. Keep a record of the variations so that you can introduce your innovations to a new colleague. Nearly each activity described here can become the starting point of a dozen variations.

1 'What Did You See?'

Stage 1: Ask one child to go out of the room, see what is happening outside, and tell the class what he saw. For instance, he might report that he saw a truck, two shops and a bicycle.

Stage 2: Now the rest of the children, preferably sitting in a circle, will ask him questions, one by one, and one question per child. For instance, a child may ask: 'What was hanging from the bicycle's handle?' The reply may be: 'A basket.' The next question may be, 'What colour was the basket?'

Stage 3: When one round of questioning is complete, the teacher will ask the child who has gone out: 'Who asked the best question?' Supposing he says, 'Shashi asked the best question; the teacher will ask: 'What was the question?'

Stage 4: The next round starts with Shashi. Ask her to see something that the earlier child had not seen. When she comes back, ask children to come up with new questions – not the ones they have already asked.

2 'Asking the Explorers'

Send a small group of children, no more than five or six, to study some specific object or place near the school or even inside the school building. For example, they may be sent to examine a cluster of trees, a tea stall, a broken bridge, or a nest. Ask them to explore it carefully and discuss among themselves everything they notice.

While the explorer group is away, tell the rest of the class about the object in some detail. For example, if the explorers have gone to examine a tea stall, tell the class about the things available at the stall, who runs it, where do the things available there come from, etc.

When the explorer group comes back, it will face questions from the class. The teacher can also have her turn. Next time, send a different group.

3 Guess What I Saw'

One child goes out, stands at the door or at some distance from the class, and selects one of the hundreds of things she sees around (it could be anything – tree, leaf, squirrel, bird, wires, pole, grass, stones). When she comes back, she says just one sentence about the thing she has in mind. For example, she might say, 'What I saw is brown.'

Now every child in the class gets one chance to ask more about the thing and guess what it was. For example, questioning may go like this:

Child 1: 'Is it thin?'

Answer: 'No.'

Child 2: 'How big is it?'

Answer: 'It's quite big.'

Child 3: 'Is it as big as a chair?'

Answer: 'No, it's smaller than a chair.'

Child 4: 'Can it turn?' ...

Finally when the thing has been guessed correctly, some children may object to the answers they got for their questions. For instance, someone may point out that the colour was not brown but clay-like. In such situations, the teacher's role is very important, as someone who can help children establish subtle distinctions between meanings.

4 'Doing What Was Said'

Ask children to listen and do what you tell them to do. Start with simple things to do, and ask the whole class to do them together. Examples:

'Touch your head.'

'Close your right eye.'

‘Clap on your head.’

Divide the class in two groups. The teacher will give instructions to the first group, and the children of this group will now give similar instructions to the second group. Gradually make your instructions more complicated, for example:

‘Touch your head with both hands, then touch your right ear with your right hand.’

‘Close both eyes, touch your neighbour, ask him to give you his left hand.’

When children of one group give instructions to the other group, they need not repeat everything they have heard. Encourage them to make up new instructions.

5 ‘Comparing’

Make sets of similar-looking things, such as leaves of two or more trees, flowers of different plants, stones, pieces of paper cut in different shapes, etc.

Ask children to listen to the description you give of one of the things in a set, and on the basis of the description they must decide which one you are thinking of. Example:

‘I’m thinking of a leaf that is smooth and long, and it has even edges.’

After doing this activity a few times, ask children to take turns to choose and describe. Change things each time you do this activity. Identify more subtle features each time.

अतिरिक्त संसाधन

- Teachers of India classroom resources: <http://www.teachersofindia.org/en>
- ‘Children talk their way into literacy’ by Gordon Wells:
http://people.ucsc.edu/~gwells/Files/Papers_Folder/Talk-Literacy.pdf

संदर्भ / संदर्भग्रंथ सूची

Amritavalli, R. (2007) *English in Deprived Circumstances: Maximising Learner Autonomy*. Department of Linguistics, The English and Foreign Languages University, University Publishing Online. Foundation Books.

Cummins, J. (undated) ‘BICS and CALP’ (online), Jim Cummins’ Second Language Learning and Literacy Development Web. Available from: <http://iteachilearn.org/cummins/bicscalp.html> (accessed 2 July 2014).

Cummins, J. (2000) *Language, Power, and Pedagogy: Bilingual Children in the Crossfire*. Bristol: Multilingual Matters.

Gibbons, P. (2002) *Scaffolding Language, Scaffolding Learning: Teaching Second Language Learners in the Mainstream Classroom*. Portsmouth, NH: Heinemann.

Krashen, S. (1981) *Second Language Acquisition and Second Language Learning*. Oxford: Pergamon Press.

Krashen, S. (1982) *Principles and Practice in Second Language Acquisition*. Oxford: Pergamon Press.

Kumar, K. (1986) *The Child's Language and the Teacher: A Handbook*. United Nations Children's Fund.

Mohan, B. (1986) *Language and Content*. Reading, MA: Addison-Wesley.

Mohan, B., Leung, C. and Davison, C. (eds) (2001) *English as a Second Language in the Mainstream: Teaching, Learning and Identity*. New York, NY: Longman.

Wells, G. (2009) *The Meaning Makers: Learning to Talk and Talking to Learn*, 2nd edn. Bristol: Multilingual Matters.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन—शेयरएलाइक लाइसेंस (<http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/>) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अनुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

संसाधन 3: *बच्चे की भाषा और शिक्षक से परिच्छेद: एक हैंडबुक*, कृष्ण कुमार, संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, 1986 (Resource 3: extracts from *The Child's Language and the Teacher: A Handbook*, Krishna Kumar, United Nations Children's Fund, 1986.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।